चारागाह जमीन आवंटन पर 400 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप

केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने सदन में कहा कि ''पिछली कांग्रेस सरकार में बीसलपुर विस्थापितों को मुआवजे के नाम पर चारागाह भूमि आवंटित की गई, लेकिन बाद में वही जमीन कांग्रेस नेताओं के चहेतों के नाम कर दी गई।''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के केकड़ी से विधायक शत्रुघ्न गौतम ने पिछली कांग्रेस सरकार पर चारागाह जमीन के गलत आवंटन के जरिए 400 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। विधानसभा में शनिवार को उन्होंने कहा कि बीसलपुर विस्थापितों को मुआवजे के नाम पर चारागाह भूमि आवंटित की गई, लेकिन बाद में वही जमीन कांग्रेस नेताओं के चहेतों के नाम कर दी गई। गौतम ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों ने इसका विरोध किया, लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई।

■ गौत्तम ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के करीबियों के नाम 400 से अधिक रजिस्ट्रियां की गई और तबादले के बाद तहसीलदार ने रात में कार्यालय खोलकर रजिस्ट्रियां कीं। इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।''

उन्होंने कहा कि चारागाह की जमीन नियमों के तहत दी ही नहीं जा सकती थी, फिर भी मुआवजे के नाम पर उसका आवंटन किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ड्रॉप कर दिया। विधायक गौतम ने केकड़ी क्षेत्र में बाइपास निर्माण को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान बाइपास को इस तरह घुमाया गया कि जिन स्थानों पर कांग्रेस नेताओं की जमीनें थीं, वहां से मार्ग निकाला गया।

उनके अनुसार, कांग्रेस नेताओं के करीबियों के नाम 400 से अधिक रजिस्ट्रियां की गईं और तबादले के बाद तहसीलदार ने रात में कार्यालय खोलकर रजिस्ट्रियां कीं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

'पेपरलीक व भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी की सी.बी.आई. जांच हो'

भारतीय आदिवासी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा में नारेबाजी कर पोस्टर लहराए

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । विधानसभा में राजस्व की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायकों ने सदन में नारेबाजी की और पोस्टर लगाए। बीएपी विधायकों ने पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग की। बीएपी विधायकों ने सीबीआई जांच की मांग वाली टीशर्ट पहन रखी थी।

बीएपी विधायकों ने बेरोगजारों को न्याय दिलाने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर नारेबाजी की। नारेबाजी कर रहे बीएपी विधायकों से कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि मेरे साढ़ू डोटासराजी को सुनाओ। साढ़ू बहरे हो गए, इन्हें सुनाई नहीं दे रहा। कुछ देर नारेबाजी के बाद माहौल शांत हो गया।

इससे पहले बीएपी विधायक थावरचंद ने कहा कि यहां पर मंत्री डॉ. किरोडीलाल बैठे हैं। इन्होंने कांग्रेस राज में खूब धरने दिए। आपने बेरोजगारों को न्याय का भरेसा दिया था। आपकी सरकार आने पर आपसे उम्मीद थी कि बेरोजगारों से अन्याय करने वाले चोरों को जेल भेजेंगे, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। पेपरलीक और भर्ती परीक्षाओं में धांधली की सीबीआई जांच होनी चाहिए। बहस के बाद राजस्व विभाग की अनुदान मांगें पारित कर दी गई।

कान्हा ग्रुप से करोड़ों का सोना और नकदी बरामद

-कार्यालय संवाददाता-

■ आयकर छापेमारी चौथे दिन भी जारी रही, अब बैंक लॉकर्स की जांच के बाद होगा खुलासा

जयपुर । राजस्थान की चर्चित फूड चेन कान्हा रेस्टोरेंट पर आयकर विभाग की छापेमारी शनिवार को चौथे दिन भी जारी रही। अब तक की कार्रवाई में करोड़ों रुपए के आभूषण, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। विभाग ने जांच के दौरान करीब 7.5 करोड़ रुपए कीमत का सोना और 25 लाख रुपए नकद जब्त किया है, जबकि कई बैंक लॉकर और अन्य संपत्तियों के दस्तावेज भी जांच के दायरे में आए हैं।

आयकर विभाग की टीम ने बुधवार सुबह से जयपुर सहित राजस्थान और मुंबई में कुल 33 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की थी। चार दिन चली कार्रवाई में अब तक 26 ठिकानों पर तलाशी पूरी कर ली गई है, जबकि जयपुर के सात ठिकानों पर शनिवार को भी सर्च ऑपरेशन जारी रहा। छापेमारी के दौरान शुक्रवार को जयपुर स्थित एक ठिकाने पर टीम को दीवार के पीछे बना एक खुफिया कमरा मिला।

दीवार तोड़कर अंदर पहुंचने पर वहां 10 छोटी अलमारियां मिलीं। अलमारियों की तलाशी लेने पर करीब 5 करोड़ रुपए कीमत की ज्वेलरी और 25 लाख रुपए नकद बरामद हुआ। इसके अलावा डिजिटल रिकॉर्ड और दस्तावेज भी मिले हैं, जिनमें करोड़ों रुपए के लेन-देन और संभावित टैक्स चोरी से जुड़े सुराग मिले हैं। सूत्रों के अनुसार अब तक की कार्रवाई में करीब 11 करोड़ रुपए कीमत का सोना, लगभग 1.25 करोड़ रुपए नकद और 10 से अधिक बैंक लॉकर सामने आए हैं। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद आयकर विभाग ने 7.5 करोड़ रुपए कीमत का सोना और 25 लाख रुपए नकदी जब्त कर ली है। बैंक लॉकरों को खोलने और संपत्तियों के मूल्यांकन की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों का मानना है कि आगे की जांच में करोड़ों रुपए की चल-अचल संपत्ति से जुड़े और खुलासे हो सकते हैं। छापेमारी के दौरान जयपुर के आमेर स्थित होटल ताज और कुंदन वन मैरिज गार्डन में भी आयकर विभाग की टीम जांच कर रही है। कुंदन वन में पिछले तीन वर्षों में आयोजित हुई आलीशान शादियों के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे है। आयकर विभाग की यह कार्रवाई रविवार शाम तक पूरी होने की संभावना है।

खरीददारी के बहाने चुराए जेवरात

जयपुर । महेश नगर इलाके में शातिर बदमाश ज्वेलरी शॉप पर मां को गिफ्ट में चांदी के आभूषण देने का झांसा देकर घुसे और लाखों रुपयों के गहनों पर हाथ साफ कर फरार हो गए। सोडाला के गोविन्दपुरा निवासी रामदयाल सोनी (78) ने मामला दर्ज कराया है कि रामनगर विस्तार में मुकेश ज्वेलर्स के नाम से शॉप है। गुरुवार शाम 4 बजे दो लड़के ग्राहक बनकर दुकान पर खरीदारी के लिए आए। ज्वेलरी दिखाने के दौरान काउंटर पर रखी चांदी की पायजेब (80 ग्राम) और सोने की तीन तोड़ी बाली (6 ग्राम) लेकर फरार हो गए।

सार-समाचार

डॉ. लीलाधर का एकल कविता पाठ

जयपुर । जनसम्पर्क मित्र की और से शनिवार को यहाँ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में कवि डॉ. लीलाधर दोचानिया का एकल काव्य पाठ आयोजित किया गया। उन्होंने अपने नव प्रकाशित कविता संग्रह जिंदगी मुस्कुराती रहे में से अपनी चुनिंदा कविताओं का वाचन किया। मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत उनकी कविताएं सराही गई। इस अवसर पर ईश्वर माथुर, बाल मुकुंद ओझा, अलका सक्सेना, वीना करमचंदानी, रेणु जुनेजा, रवि गोस्वामी, गोविन्द शर्मा और राजेंद्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

एसकेआईटी कॉलेज में वार्षिकोत्सव संपन्न

जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का छह दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव प्रवाह, कॉलेज के वार्षिक समारोह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मेटाक्यूब सॉफ्टवेयर के सह-संस्थापक पारिजात अग्रवाल ने की और इन्फोसिस लिमिटेड के ग्रुप प्रोजेक्ट मैनेजर मनन गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात संस्थान के अध्यक्ष सुरजा राम मील, निदेशक जयपाल मील और निदेशक (अकादमिक) प्रो. एस.एल. सुराणा ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. सोनी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और कहा कामयाबी की परिभाषा केवल सफलता मिलना नहीं होता, विनम्रता के साथ जीवन जीना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर कॉलेज के रजिस्ट्रार रचना मील, प्राचार्य-प्रो. रमेश कुमार पचार, वाईसचेयरमैन अनिल बाफना, डीन डॉ आर के जैन समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित हुए। प्रो. सुराणा ने संस्थान की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिसमें इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने नृत्य, नाटक एवं गायन की शानदार प्रस्तुतियां से पूरे माहौल को कल्चरल एक्टिविटीज के रंग में सराबोर कर दिया। सांस्कृतिक संध्या में नवरस की थीम पर आधारित नृत्य शिव तांडव, ऑपरेशन सिंदूर और नाटकों की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें श्रृंगार, करुणा, वीर, हास्य, वीभत्स, अद्भुत, भयानक, रौद्र और शांत रस का प्रदर्शन किया गया।

नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयपुर । दर्शक संस्था द्वारा आयोजित 36वीं महेंद्र भट्ट स्मृति अखिल भारतीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता के तीसरे दिन उपशास्त्रीय नृत्य, बॉलीवुड नृत्य एवं लोक नृत्य की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जो भारतीय बैले शैली के जनक उदय शंकर को समर्पित रहीं। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने भाव-भंगिमाओं, लयात्मक गतियों और मंचीय अनुशासन के साथ मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों एवं निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी दिन दोपहर 2 बजे से वरिष्ठ वर्ग की गायन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने शास्त्रीय एवं सुगम गायन की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से सुर-साधना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दर्शक संस्था की ओर से सुर-नूर गायन के लिए यशराज सोनी, कीर्ति सिंह, जय कुमार, अदिति वत्स एवं ऋत्विज को आमंत्रित किया गया, जबकि सुर-नूर वादन के लिए हर्षवर्धन सिंह चौहान, अरहम मुरड़िया, मनन सोनी, दिव्य ध्रुव गुमा, रक्षा चंद्रावत एवं सौम्या जैन को मंच पर आमंत्रित किया गया। इससे पूर्व प्रतियोगिता संयोजक प्रोमिला राजीव ने 20 फरवरी को आयोजित शास्त्रीय एवं सुगम वादन प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए। शास्त्रीय वादन (सीनियर वर्ग) में हर्षवर्धन सिंह चौहान ने प्रथम, सुमित चौहान ने द्वितीय एवं श्रेया सीपाणी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में अरहम मुरड़िया प्रथम, आरिका गोदारा द्वितीय तथा दिव्यांशी गुमा एवं युक्तिका अग्रवाल संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। शास्त्रीय वादन (ताल वाद्य) के सीनियर वर्ग में मनन सोनी प्रथम, मयंक कोटवाणी द्वितीय एवं अर्जुन प्रजापति तृतीय रहे। जूनियर वर्ग में दिव्य ध्रुव गुमा प्रथम, सार्थक गोयल द्वितीय तथा रुद्र शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। सुगम वादन (सीनियर वर्ग) में रक्षा चंद्रावत ने प्रथम, विकास कुमार ने द्वितीय एवं महिमा खण्डेलवाल व ईशान भार्गव ने संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में सौम्या जैन प्रथम, अथर्व चतुर्वेदी द्वितीय तथा यशस्वी पारिक तृतीय स्थान पर रहे।

''रस रंग बरसे'' का आयोजन आज

जयपुर । आज सायं कल्चरल सोसाइटी ऑफ़ राजस्थान द्वारा जीवन्त संगीत के साथ फ़िल्मी गीतों का कार्यक्रम रस रंग बरसे का आयोजन किया जाएगा। शाम 6.30 बजे, भारतीय विद्या भवन कॉलेज स्थित महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में होली की मस्ती व संगीत के अन्य रंगों से सराबोर गीतों की प्रस्तुति शहर के विभिन्न नामी कलाकारों द्वारा दी जाएगी। संस्था के अध्यक्ष श्याम सुंदर भूतड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम की परिकल्पना राजेन्द्र परनामी की है एवं संयोजन घुंघरू मैन के नाम से प्रसिद्ध शंकर गर्ग का है।

'मल्टीलेटरलिज्म इन क्राइसिस' पर सेमिनार

जयपुर । सप्त शक्ति कमान के तत्वावधान में ज्ञान शक्ति थिंक टैंक (जीएसटीटी) ने शनिवार को जयपुर मिलिट्री स्टेशन में 'मल्टीलेटरलिज्म इन क्राइसिस' विषय पर एक ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार में सेवारत एवं सेवानिवृत्त रक्षा अधिकारी तथा जयपुर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद और छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रतिष्ठित पैनल में एम्बेसडर टी.एस. तिरुमूर्ति, एम्बेसडर सुचित्रा दुरई, एम्बेसडर आर. स्वामीनाथन और एम्बेसडर सतीश मेहता शामिल थे, जिन्होंने विषय पर अपने विचार साझा किए। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) ले कर्नल निखिल धवन के अनुसार वक्ताओं ने अपने विशिष्ट राजनयिक दायित्वों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र की अनेक संस्थाओं में महत्वपूर्ण पदों पर निकटता से कार्य किया है। इसी व्यापक अनुभव, ज्ञान-संपदा और गहन समझ के आधार पर उन्होंने विभिन्न गठबंधनों और संस्थाओं तथा उभरती चुनौतियों का सामना करने में उनकी क्षमता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। पैनल के वक्ताओं ने मल्टीलेटरलिज्म के अनेक आयामों को रेखांकित किया, जिनमें वैश्विक कूटनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार, भू-रणनीतिक आकांक्षाएँ तथा उनका राष्ट्रीय हितों और आंतरिक गतिशीलताओं से संबंध शामिल था। प्रश्न-उत्तर सत्र में बदलते हुए भू-राजनीतिक परिदृश्य और उसमें भारत की स्थिति से जुडे विचारोत्तेजक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। सप्त शक्ति कमान के मेजर जनरल गौतम चड्ढा ने समापन भाषण दिया और उनके स्पष्ट विचारों के लिए विद्वान वक्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने सेमिनार में भाग लेने के लिए दूर-दूर से आए छात्रों सहित श्रोताओं की भी प्रशंसा की। उन्होंने उभरती वैश्विक समस्याओं के समाधान में अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए उनमें सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। इस प्रयास का उद्देश्य सभी हितधारकों में रणनीतिक सोच और जागरूकता की संस्कृति को बढ़ावा देना है।

जयपुर में 42.87 लाख मतदाता

जयपुर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में 27 अक्टूबर 2025 को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। इसके अंतर्गत 4 नवंबर से 11 दिसंबर 2025 तक गणना चरण सम्पन्न हुआ तथा 16 दिसंबर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जयपुर जिले में उस समय कुल मतदाताओं की संख्या 42 लाख 87 हजार 103 थी। आयोग के कार्यक्रमानुसार 16 दिसंबर 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दावे-आपत्तियाँ प्राप्त की गईं। इस अवधि में जयपुर जिले में कुल 1 लाख 57 हजार 431 फॉर्म-6/6, 21,436 फॉर्म-7 तथा 47,834 फॉर्म-8 प्राप्त हुए। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों की सूचियाँ फॉर्म-9, 10, 11, 11ए एवं 11बी में तैयार कर हर दिन नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएंगी।

प्रदर्शन के खिलाफ प्रदर्शन...सड़कों पर ट्रेफिक जाम

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (ए.आई.) समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के खिलाफ शनिवार को राजधानी जयपुर की सड़कों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस मुख्यालय का घेराव करने निकले युवाओं को पुलिस ने बीच सड़क पर बैरिकेड्स लगाकर रोकने की कोशिश की, इस दौरान दोनों पक्षों में टकराव की स्थिति बनी। इस विरोध प्रदर्शन के कारण गर्वमेंट हॉस्टल, एम.आई.रोड, स्टेशन रोड, चांदपोल और आसपास के इलाकों में ट्रेफिक जाम की स्थिति बनी। सड़कों पर लोग काफी देर तक फंसे रहे।

फोटो राष्ट्रदूत

डिफाल्टर बिल्डर के ऋण की वसूली पूर्व में आवंटित फ्लैट्स से नहीं कर सकते : रेरा

■ रेरा की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने यह आदेश आवंटियों की संस्था एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन के प्रार्थना पत्र पर दिया।

जयपुर (कासं)। रेरा ने एक फैसले में कहा कि लोन से पूर्व आवंटित फ्लेट्स से डिफाल्टर बिल्डर के लोन की वसूली नहीं की जा सकती। इसके साथ बिल्डर कम्पनी के खिलाफ दिवालिया कानून में कार्रवाई के चलने के दौरान भी रेरा बिल्डर कंपनी के निदेशकों व भू-स्वामी के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। रेरा की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने यह आदेश आवंटियों की संस्था एवलोन रॉयल पार्क होम बायर्स एसोसिएशन के प्रार्थना पत्र पर दिया।

रेरा ने माना कि जमीन मालिक, बिल्डर के साथ प्रोजेक्ट की शुरूआत से ही सहभागी रहे हैं, उसने बिल्डर की ओर से प्राप्त राशि में से अंश राशि भी ली है। एनसीएलटी में दिवालिया कानून के तहत कार्रवाई शुरू होने पर बिल्डर कंपनी ने रेरा में आवंटियों की कार्रवाई को खत्म करने का प्रार्थना पत्र लगाया था। वहीं आवंटियों की ओर से अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने कहा कि कहा कि बिल्डर ने उनसे करोडों रुपए लेने के बाद भी प्रोजेक्ट पूरा नहीं किया और उसने इस राशि को खुर्द-बुर्द कर दिया।

वहीं वित्तीय कंपनी ईसीएल से मिलीभगत कर पूरी इमारत को लोन के लिए गिरवी रख दी। आवंटियों को 12 साल बाद भी न तो फ्लैट का कब्जा मिला है और न ही उनके पैसे वापस किए। इसलिए बिल्डर का प्रार्थना पत्र खारिज करें। दरअसल बिल्डर कम्पनी मैसर्स जीआरजे डिस्ट्रीब्यूटर्स व डवलपर्स ने साल 2012 में भिवाडी में एवलोन रॉयल पार्क आवासीय प्रोजेक्ट का काम शुरू किया। इसमें 1200 से ज्यादा फ्लैट्स बनने थे और निर्माण 2017 तक होना था। बिल्डर ने 700 से ज्यादा फ्लैट्स का बेचान 2012 से 2016 के दौरान आवंटियों को किया। वहीं आवंटियों से करीब 300 करोड रुपए लेकर भी पूरा प्रोजेक्ट विकसित नहीं किया। इसके बाद साल 2018 में बिल्डर ने पूरे प्रोजेक्ट को ही ईसीएल फाइनेंस को 50 करोड रुपए में गिरवी रख दिया। जिस पर ईसीएल की ओर से इनवेन्ट एसिट नाम की कम्पनी ने एनसीएलटी में लोन की वसूली की याचिका दायर की।

हथियार लेकर घूम रहे स्कोर्पियो सवार दो बदमाश पकड़े

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने बस्सी थाना इलाके में ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो में हथियार तस्करी करने की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सीएसटी ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो देसी कट्टा, 10 कारतूस व 2 खाली कारतूस बरामद किए है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि बस्सी थाना इलाके में दो बदमाश स्कॉर्पियो में अवैध हथियार की सप्लाई करने की फिराक में घुम रहे है। सूचना के बाद सीएसटी ने बस्सी में नाकाबंदी की। नाकाबंदी में स्कॉर्पियो की तलाशी लेने पर उसमें से दो देसी कट्टा, 10 कारतूस व 2 खाली कारतूस बरामद हुए। साथ ही पुलिस टीम ने आरोपित अनिल कुमार उर्फ सुखा (21) निवासी दादनपुरा धौलपुर और लोकेश उर्फ निवासी अखैपुरा को दबोच लिया।

अमूल ब्रांड की 30 हजार किलो एक्सपायरी सामग्री नष्ट करवाई

जयपुर । सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम द्वारा खो नागोरियान में मैसर्स एथलीट डिस्ट्रीब्यूटर पर की गई कार्यवाही में सीज किया गया अमूल ब्रांड के एक्सपायरी नूडल्स, केच अप, म्योनीज एवं सॉस को नष्ट करवाने की कार्यवाही की गई।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि फर्म मालिक गगन आहूजा ने नगर निगम द्वारा जारी नष्टीकरण की स्वीकृति आदेश पेश किए गए। जिस पर शनिवार टीम को भेज कर छह ट्रकों में अवधिपार सामग्री को भरकर मथुरादास कचरागाह ले जाकर नष्ट करवाया गया। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि ने भी मौके पर पहुंचकर अवधिपार माल की तस्दीक कर अमूल ब्रांड का होना सत्यापित किया।

गौरतलब है कि टीम द्वारा पिछले दिनों 181 पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पर कार्यवाही में अमूल ब्रांड की लगभग 30 हजार किलो एक्सपायरी खाद्य सामग्री पकडी थी। जिसमें अमूल ब्रांड के अलग अलग पैकिंग के सॉसेज, म्योनीज, एनर्जी ड्रिंक, केच अप आदि के पैकेट्स जो अवधिपार हो गए थे उनकी डेट मिटाकर नई डेट प्रिंट करने की तैयारी थी।

टीम ने गोदाम को सील कर दिया था । जिसे खुलवाकर नष्टीकरण की कार्यवाही की गई। टीम द्वारा गोदाम का निरीक्षण किया गया। जिसमें अवधिपार सामग्री की मात्रा और भी अधिक पाई गई । जिसे उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार सोमवार को नष्ट किया जाएगा। तब तक के लिए गोदाम को पुनः सील कर दिया गया है। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान, राजेश नागर, नंद किशोर कुमावत, अवधेश गुप्ता एवं राजेश नागर शामिल रहे।

विधानसभा में राजस्व विभाग की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित

-विधानसभा संवाददाता-

■ भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण, ऑनलाइन नामांतरण और तकनीकी आधार पर सीमांकन जैसी व्यवस्थाओं से राजस्व विभाग आधुनिकीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा : मंत्री हेमंत मीणा

■ राजस्व मंत्री ने सदन में कहा कि ''मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणा के अनुरूप राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण के लिए शीघ्र ही कानून लाया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण के तहत 2842 हेक्टेयर राजकीय सिवायचक भूमि को 'ओरण' के लिए आरक्षित किया गया है।''

जयपुर । राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि राजस्व विभाग आमजन और किसानों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ विभाग है तथा समय के साथ भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण, ऑनलाइन नामांतरण और तकनीकी आधार पर सीमांकन जैसी व्यवस्थाओं से विभाग आधुनिकीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से प्रशासनिक ढांचे में पारदर्शिता आई है तथा किसानों के भू-अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

मीणा शनिवार को विधानसभा में राजस्व विभाग की अनुदान मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने 23 अरब 34 करोड़ 61 लाख 01 हजार रुपये की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दीं।

उन्होंने बताया कि नामांतरण की प्रक्रिया को पूरी तरह पेपरलेस कर दिया गया है तथा तहसील स्तर पर 'फर्स्ट इन फर्स्ट आउट' प्रणाली लागू की गई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है। कृषि भूमि के गैर-कृषि उपयोग के लिए कन्वर्जन की समयावधि 90 दिन से घटाकर 45 दिन कर दी गई है और प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। गत दो वर्षों में 43 हजार 350 प्रकरणों में 24 हजार 886 हेक्टेयर भूमि का कन्वर्जन किया गया। राजकीय भूमि के संरक्षण के लिए राज्य सरकार ने राजकीय भूमि नामांतरण परामर्श समिति का गठन भी किया है।

राजस्व मंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के किसानों की खातेदारी भूमि पर सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए कन्वर्जन निःशुल्क किया गया है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में राजस्थान ग्रामदानी अधिनियम से शासित गांवों के किसानों को खातेदारी अधिकार देने के लिए संशोधन की घोषणा की गई है। डीएनटी समुदाय को भू-खंड आवंटन हेतु पट्टा वितरण अभियान की अवधि 19 मई 2026 तक बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणा के अनुरूप राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण के लिए शीघ्र ही कानून लाया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण के तहत 2842 हेक्टेयर राजकीय सिवायचक भूमि को 'ओरण' के लिए आरक्षित किया गया है। राजस्व इकाइयों के पुनर्गठन के लिए डॉ. ललित के. पंवार की अध्यक्षता में राज्य प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन सलाहकार समिति का गठन किया गया है, जो नई इकाइयों और पद संरचना पर सुझाव देगी। किसानों को खेत तक पहुंच मार्ग उपलब्ध कराने के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' के तहत 9404 रास्ते खुलवाए गए हैं। साथ ही कैम्प कोर्ट वल्लभनगर, केकड़ी और शाहपुरा (भीलवाड़ा) में लगाने का निर्णय किया गया है।

मीणा ने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए दो वर्षों में लगभग 99 हजार हेक्टेयर सरकारी भूमि आवंटित की गई है। भूतपूर्व सैनिकों के 106 मामलों में भूमि उनके वारिसों के नाम बहाल की गई है। खेल प्रोत्साहन के तहत 19 पदक विजेता खिलाड़ियों को 119 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा और ग्रामीण शिविरों के माध्यम से हजारों सीमांकन, नामांतरण और रास्तों से जुड़े मामलों का निस्तारण किया गया। वर्तमान सरकार के प्रथम दो वर्षों में 4 लाख 70 हजार 378 राजस्व वादों का निस्तारण किया गया है। केंद्र सरकार की एग्रीस्टैक परियोजना के तहत 82 लाख किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है और इस कार्य में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। डिजिटल फसल सर्वे के अंतर्गत रबी सीजन 2025-26 में 2.64 करोड़ खसरों का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 1.58 करोड़ में सर्वे पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत 425 में से 422 तहसीलों को ऑनलाइन अधिसूचित किया जा चुका है। अब किसान अपना खाता पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से जमाबंदी एवं खसरा गिरदावरी की प्रतियां क्यूआर कोड सहित निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। इससे समय और धन की बचत हुई है तथा व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनी है।